

हरियाणा में मर्लियाँ 400 वर्ष पुरानी मूर्तियाँ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मानेसर के पास बाघनकी गाँव में एक प्लॉट की नींव खुदाई के दौरान लगभग 400 वर्ष पुरानी तीन धातु की मूर्तियाँ नकिलीं।

मुख्य बर्दु:

- पुलसि ने पुराचीन मूर्तियों को ज़बत कर लया है और मालकि को नरिमाण गतविधियों रोकने का नरिदेश दया है।
- पुरातत्त्व वभिण साइट पर कसिी अतरिकित मूर्तकी खोज के लयि अतरिकित खुदाई करेगा।
- बरामद मूर्तियों में भगवान वषिणु की एक खड़ी मूर्त, देवी लकष्मी की एक मूर्त और देवी लकष्मी एवं भगवान वषिणु की एक संयुक्त मूर्त शामिल है।

हरियाणा के महत्त्वपूरण पुरातत्त्व स्थल

- भरिराना: फतेहाबाद ज़िले का एक छोटा-सा गाँव नई दलिली से लगभग 220 कमी. उत्तर पश्चिम में स्थति है। यह स्थल पुराचीन सरस्वती नदी प्रणालियों के कनारे स्थति है जो अब आधुनकि हरियाणा में मौसमी घग्गर प्रवाह द्वारा दर्शाया जाता है। 8वीं-7वीं सहस्राब्दी ईसा पूरव के हकरा बर्तन भरिराना में पाए गए हैं जो इसे प्रारंभकि हड़प्पा रावी चरण की संस्कृति के समकालीन बनाते हैं। भरिराना की अनुमानति पुराचीनता चारकोल के नमूनों पर आधारति है जो 7570-7180 ईसा पूरव और 6689-6201 ईसा पूरव की तारीखें बताती हैं।
- बनावली: यह हरियाणा के फतेहाबाद ज़िले में सधुि घाटी सभ्यता का एक पुरातात्त्वकि स्थल है। यह कालीबंगन से 120 कमी. उत्तर पूरव और फतेहाबाद से 16 कमी. दूर सूखी हुई सरस्वती नदी के बाएँ कनारे पर स्थति है। खुदाई में 4.5 मीटर ऊँची और 6 मीटर मोटी एक सुरक्षा दीवार के साथ-साथ कमरे, शौचालय तथा सड़कों वाले सुनयिोजति घर भी मलि। कलिबंदी के पास की सीढ़ियों को भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण द्वारा एक महत्त्वपूरण गठन माना जाता है।
- राखीगढ़ी: यह भारतीय उपमहादवीप का सबसे बड़ा हड़प्पा स्थल है जो हरियाणा के हसिर ज़िले में स्थति है। यह स्थल मौसमी घग्गर नदी से लगभग 27 कमी. दूर सरस्वती नदी के मैदानी इलाके में स्थति है। 6000 ईसा पूरव (पूरव-हड़प्पा चरण) से 2500 ईसा पूरव तक इसके वकिस का अध्ययन करने के लयि, भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) के पुरातत्त्ववदि अमरेंदर नाथ के नेतृत्व में राखीगढ़ी में खुदाई की गई थी